



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 157] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 7 1985/ श्रावण 16, 1907
No. 157] NEW DELHI WEDNESDAY, AUGUST 7, 1985/SRAVANA 16, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1985

मार्गदर्शक सूचना सं० 25 आईटीसी (पीएन)/85-88

विषय :—स्वर्ण आभूषण निर्यात संवर्धन और प्रतिपूर्ति स्कीम—आयात एवं निर्यात नीति 1985-88 (खंड 1) के परिशिष्ट 22 का अनुबंध 3

फा. सं. 12/44/84-ईपीसी :—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 1-आईटीसी (पीएन)/85, दिनांक 12 अप्रैल, 1985 के अधीन प्रकाशित
अप्रैल 1985—मार्च 1988 के लिए आयात एवं निर्यात नीति (खंड 1) की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. आयात एवं निर्यात नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे संकेतित उपयुक्त स्थानों पर किए जाएंगे और वे 12 अगस्त, 1985 से लागू होंगे :—

क्रम सं.	आयात-निर्यात नीति संवर्धन 1985-88 (खंड 1) की पृष्ठ संख्या	संशोधन
1	2	3
1	331—333	परिशिष्ट 22 के लिए वर्तमान पैरों को निम्नलिखित अनुबंध 3 "स्कीम के द्वारा प्रतिस्थापित किया होगा" शीर्षक के अधीन पैरा 1 जाएगा :— "इस स्कीम के तहत केवल स्वर्ण आभूषण और वस्तुओं (सिक्कों से भिन्न) जैसा कि स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 में परिभाषित है, के निर्यात की अनुमति दी जाएगी। ऐसे आभूषण और वस्तुएं यदि जटित भी होंगी तो उनके निर्यात करने की भी अनुमति इस स्कीम के तहत दी जाएगी। निर्यात की जाने वाली मद जिस सोने से बनी हों उसकी शुद्धता 0.375 फाइननेस से कम नहीं होनी चाहिए जो कि 9 केरेट्स के समरूप है।"

1

2

3

4

पैरा 5

"यह स्कीम इसके अनुसार किए गए निर्यातों के मुद्दे शुद्ध सोने की प्रतिपूर्ति के लिए मात्रा को उस सीमा तक के लिए व्यवस्था प्रदान करती है जो इसके अंतर्गत अनुमेय है। ऐसी प्रतिपूर्ति की व्यवस्था निष्पादन के अधीन उस विशेष निर्यात आदेश के संबंध में सम्बद्ध निर्यातक को ओर से सोने को खरीद के बाद भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्र में संकेतित मूल्य पर भारतीय स्टेट बैंक की मनोनित शाखाओं के माध्यम से की जाएगी जिसके निर्यात प्रभावी कर दिए गए हों और प्रतिपूर्ति का वादा कर दिया गया हो।"

पैरा 7

"सोने की प्रतिपूर्ति के उद्देश्य के लिए और इस स्कीम के अंतर्गत किए गए निर्यातों के संबंध में सोने की मात्रा के मूल्य में कम से कम 15 प्रतिशत और अधिक मूल्य के लिए बल दिया जाएगा। जोड़े गए मूल्य की गणना संबंध निर्यात आदेश के संबंध में उपर्युक्त संदर्भित पैरा 5 के अंतर्गत संकेतित कीमत पर निर्यातित आभूषण में शुद्ध सोने की मात्रा के मूल्य को ध्यान में रखते हुए की जाएगी और यह निर्यात की जाने वाली मद्दों के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के लिए होगी। उदाहरणार्थ के लिए यदि जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य 100 रुपये है तो शुद्ध सोने का मूल्य 87 रुपये या इससे कम होना चाहिए। जटिल मद्दों के मामले में उनके निर्माण में प्रयुक्त शुद्ध सोने, रस्सों, मणियों या मोतियों और अन्य अनु-मूल्य धातु यदि कोई हो, का मूल्य, जहाज पर्यन्त निःशुल्क 100 रु. मूल्य के मुद्दे 87 रुपये या इससे कम होना चाहिए।"

पैरा 11

पात्र निर्यातकों को चाहिए कि वे सलग्नक 1 के अनुसार संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को निर्धारित प्रपत्र में जहजरानी बिलों पर पृष्ठांकन के लिए आवेदन करें।

उपर्युक्त पैरा 7 में निर्दिष्ट निर्यात आदेश की सत्यापित प्रति और निर्यातक की वचन-बद्धता कि यह स्कीम के अधीन यथा निर्धारित न्यूनतम मूल्य में वृद्धि की शर्त का पालन करेगा के साथ आवेदनपत्र दिए जाने चाहिए। जहा पर संविदा मूल्य लागत-सीमा-भाड़ा के आधार पर है, जो आवेदक निर्यात के लिए आवेदनपत्र में उसका अनुमानित जहाज पर निःशुल्क मूल्य की भी घोषणा करेगा। (स्वर्ण प्रतिपूर्ति के प्रयोजनार्थ, केवल जहाज पर निःशुल्क मूल्य को ही गणना की जाएगी।)

पैरा 13

"यदि आवेदन पत्र अन्तर्गत रूप से ठीक है, तो लाइसेंसिंग प्राधिकारी निर्यात किए जाने वाले आभूषण के लिए अपेक्षित स्वर्ण की मात्रा का उल्लेख हुए निर्यात को अनुमित करने के लिए पोतलदान बिल पर एक पृष्ठांकन करेगा। यथा पृष्ठांकित प्रत्येक पोतलदान बिल केवल निर्यात के लिए उस सीमा शुल्क सदन के माध्यम से बेच होगा जो उस स्थान पर स्थित है जहां पर लाइसेंसिंग कार्यालय जिसने पृष्ठांकन किया है, स्थित है और पृष्ठांकन की तिथि से 30 दिनों के लिए ही बेच होगा, लेकिन इसमें पृष्ठांकन की तिथि शामिल नहीं होगी।"

पैरा 14

पात्र निर्यातक अपने पक्ष में स्वर्ण की अपेक्षित मात्रा के प्रयोजनार्थ, लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा यथा पृष्ठांकित पोतलदान बिल की प्रति के साथ उस स्थान पर स्थित भारतीय स्टेट बैंक की मनोनित शाखा को, जहां पर लाइसेंसिंग कार्यालय जिसने पृष्ठांकन किया है, स्थित है, तीन प्रतियों में निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करेगा। आवेदक भारतीय स्टेट बैंक द्वारा निर्धारित मूल्य की स्वर्ण जो वह खरीदना चाहता है, की सफाई मूल्य के 20% के तुल्य धनराशि की अग्रिम धनराशि जमा करेगा। अग्रिम धनराशि के रूप में यह धनराशि निर्यातक को लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए रिजोर्ज आदेश के मुद्दे भारतीय स्टेट बैंक द्वारा स्वर्ण की वास्तविक बिक्री के समय समेकित की जाएगी। भारतीय स्टेट बैंक अगले दो व्यापारिक दिनों के अन्तर्गत स्वर्ण खरीदेगा और इसके पश्चात् निर्यातक को खरीदे गए सोने की मात्रा और डालर में मूल्य (इसमें स्वर्ण की क्रय तिथि को भारतीय स्टेट बैंक की प्रचलित डी टी विक्रय दर को अमरीका डालर के समतुल्य इसके रुपये शामिल हैं) जिस पर क्रय किए गए हैं (इस मूल्य में वह वास्तविक मूल्य शामिल होगा जिस पर भारतीय स्टेट बैंक द्वारा स्वर्ण क्रय किया गया है और अनुमित सेवा भाड़ा शामिल होगा, लेकिन स्थानीय कर आदि अलग होंगे) और इसके साथ-साथ प्रमाणपत्र की प्रति के साथ आवेदनपत्र की दूसरी और तीसरी प्रतियां क्रमशः सम्बद्ध लाइसेंसिंग प्राधिकारी और सीमा-शुल्क सदन को भेजेगा।

1	2	3	4
	पैरा 17		निर्यातक बिना किसी विलम्ब के, निर्यात किए जाने के पश्चात् और विदेशी मुद्रा में की गई बिक्री की वसूली का इन्तजार किए बिना, उसी लाइसेंसिंग प्राधिकारी को जिसने पोतलदान बिल पृष्ठांकित किया है, रिजर्व आदेश जारी करने के लिए निर्धारित प्रपत्र एवं विधि में आवेदन-पत्र प्रस्तुत करेगा और इसके साथ पत्तन सत्यापित बॉजक, पत्तन अधिप्रमाणित पोतलदान बिल और स्टेट बैंक प्रमाण-पत्र मूल रूप में भेजेगा। रिजर्व आदेश जारी करने के लिए आवेदन-पत्र के साथ निर्यातक उसके द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित एक घोषणा पत्र यह प्रमाणित करते हुए कि पोतलदान की तिथि से दो भास की अवधि से परे इस स्कीम के अधीन किए गए निर्यातों के मद्दे विदेशी मुद्रा की वसूली बाकी है। वस्तुओं की जांच पड़ताल के पश्चात् और यह कि कार्य सम्पादन में मुख्य वृद्धि निर्धारित न्यूनतम से कम नहीं है, लाइसेंसिंग प्राधिकारी एक रिजर्व आदेश जारी करेगा, यदि आवेदन-पत्र अन्याय रूप से ठीक है, ताकि निर्यातक उपर्युक्त निर्यातित मर्दों की शुद्ध स्वर्ण मात्रा की प्रतिपूर्ति प्राप्त कर सके।
	पैरा 18		इस स्कीम के अधीन जारी किया गया कोई भी रिजर्व आदेश हस्तांतरण्य नहीं होगा। रिजर्व आदेश धारक द्वारा स्वर्ण की सुपुर्वाही पोतलदान की तिथि से 30 दिनों के भीतर भारतीय स्टेट बैंक से ले लेनी चाहिए, ऐसा न करने पर भारतीय स्टेट बैंक के पास उसके द्वारा जमा की गई 20% की अग्रिम धनराशि जब्त हो जाएगी। स्वर्ण को त्रय के लिए भारतीय स्टेट बैंक को आवेदन करने के पश्चात् निर्यात आवेश के मद्दे निर्यात प्रभावित न होने पर आयन (नियंत्रण) आवेश, 1955 के अधीन की गई किसी कार्रवाई के अलावा जमा की गई अग्रिम धनराशि उसी प्रकार जब्त कर ली जाएगी। निर्यात आवेश के मद्दे कम पोतलदान के लिए आयन (नियंत्रण) आवेश 1955 के अन्तर्गत किसी अन्य कार्रवाई के अलावा, निर्यात आवेश से कम जड़े गए माल के भाग के सम्बन्ध में जमा की गई प्रतिभूत राशि में से आनुपातिक राशि भी जब्त कर ला जाएगी।
	पैरा 19		रिजर्व आवेश 0.999 की शुद्धता के सोने के अनुसार और सगत पोतपरिवहन बिल पर सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा यथा सत्यापित निर्यात के लिए पास की गई मर्दों के सोने के तत्व के भार और शुद्धता के बराबर मात्रा के लिए अभिव्यक्त किया जाएगा। लाइसेंस प्राधिकारी अन्य दस्तावेजों के साथ-साथ भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी किया गया उस मूल्य से संबंधित प्रमाणपत्र जिस मूल्य पर निर्यातक के लिए सोना खरीदा गया था, को जोड़ करेगा और यह मुनिस्चय करेगा कि निर्धारित न्यूनतम मूल्य को जोड़कर सोने में निर्यातक द्वारा प्राप्त किया गया है।
	पैरा-20		"भारतीय स्टेट बैंक को उक्त शब्दा रिजर्व आदेशधारक को उग कीमत पर सोना बेचेगा जो निर्यातक की ओर से भारतीय स्टेट बैंक द्वारा सोना खरीदने के बाद उसके द्वारा जारी किए गए प्रमाण पत्र में की गई है और वह पेशगी धन विशेष काम करके उसके तुल्य रूप पर ऐसी दर पर और ऐसी अवधि के लिए म्याज वसूल करेगा जो सरकार द्वारा विशिष्ट-कृत किया गया है यदि 0.999 से कम शुद्धता का सोना बेचा जाता है तो भारतीय स्टेट बैंक को आवश्यक मासिक समंजन करने का अधिकार होगा किन्तु वह सम्बद्ध रिजर्व आर्डर की मासिक सीमा के भीतर होगा। वह सोने को केवल 10 ग्राम के गुणक में ही बेचेगा। उसी निर्यातक द्वारा उसी तारीख की ओर भारतीय स्टेट बैंक को उसी मनोभीत शाखा को, प्रस्तुत किए गए रिजर्व आवेश के मद्दे अन-आरक्षित इस प्रकार से शेष रहा हुआ कोई भी बकाया माल रिजर्व आर्डर धारक को उसकी आगामी हकदारी के सहित उपलब्ध रहेगा। भारतीय स्टेट बैंक इस बारे में 3 से प्रमाण पत्र जारी करेगा।"
	परिशिष्ट-22 का अनुबंध-3 पैरा 21(2)		यह उप पैरा हटा दिया जाएगा।
	परिशिष्ट-22 का अनुबंध-3		निम्नलिखित को पैरा 29 के रूप में जोड़ा जाएगा। "अन्तर्वर्ती प्रबन्ध 11-8-1985 को या इससे पहले पोत परिवहन बिलों पर किए गए पृष्ठांकन सोने की प्रति-पूर्ति स्कीम के विद्यमान प्रावधानों द्वारा नियंत्रित रहेंगे।"

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 7th August, 1985

PUBLIC NOTICE NO. 25-ITC(PN)/85—88

Subject : Gold Jewellery Export Promotion and Replenishment Scheme—Annexure III to Appendix 22 of Import and Export Policy, 1985—88 (Vol. I).

F No. 12/44/84-E.P.C.:—Attention is invited to the Import and Export Policy for April, 1985-March, 1988 (Vol. I), published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/85—88 dated the 12th April, 1985.

2. The following amendments shall be made to the Import and Export Policy at appropriate places as indicated below and shall come into effect from the 12th August, 1985 :—

Sl No	Page No. of Import & Export Policy, 1985—88 (Vol. I).	Reference	Amendments
1	2	3	4
1	331—333	Annexure III to Appendix 22. Para 1 under the heading 'Scope of the Scheme'	The existing paras shall be substituted by the following — "Export of gold ornaments and articles (other than coin) as defined in the Gold (Control) Act, 1968 will alone be allowed under the scheme. Such ornaments and articles when studded will also be permitted to be exported under the scheme. The items for export should be made of gold of purity not less than 0.375 fineness which corresponds to 9 carats".
		Para 5	"The Scheme provides for replenishment of pure gold to the extent of the quantity admissible thereunder, against exports made in accordance with it. Such replenishment will be arranged through the designated branches of the State Bank of India at a price indicated in the certificate issued by the State Bank of India after the purchase of gold on behalf of the concerned exporter in respect of the specific export order in execution of which exports have been effected and replenishment claimed".
		Para 7	"A minimum value-added of 15% over the value of pure gold content will be insisted upon in respect of the exports made under the scheme and for the purpose of replenishment of gold. The added value will be calculated by relating the value of pure gold content in the jewellery exported, at the price indicated in the certificate referred to in para 5 in respect of the relevant export order, to the f.o.b. price of items to be exported. For example, if the f.o.b. price is Rs. 100, the value of pure gold should be Rs. 87 or less. In the case of studded items, the total value of pure gold, stones or gems or pearls as well as other precious metals, if any, used in their manufacture, should be Rs. 87 or less against the f.o.b. price of Rs. 100."
		Para 11	"Eligible exporters should apply for endorsement on the shipping bill in the prescribed form to the concerned licensing authority as per the enclosure I hereto. The application should be supported by a certified copy of the export order referred to in para 7 above and the exporters undertaking that he shall abide by the condition of minimum value addition as prescribed under the scheme. Where the price contracted for is on c.i.f. basis, the applicant shall also declare the estimated f.o.b. value thereof in the application for the export. (For the purpose of replenishment of gold, only the f.o.b. value will be taken into consideration)"

- 1	2	3	4
	Para 13	<p>"The licensing authority will make an endorsement on the shipping bill to permit export, if the application is otherwise in order, indicating the quantity of gold required for the jewellery to be exported. Each shipping bill, as endorsed, will be valid for export only through the Customs House located at the place where the licensing office which made the endorsement is situated and for a period of 30 days from the date of endorsement, excluding, however, the date on which the endorsement is made".</p>	
	Para 14	<p>"Eligible exporter shall apply in the prescribed form in triplicate to the designated branch of State Bank of India located at the place where the licensing office which made the endorsement is situated, along with a copy of the shipping bill as endorsed by the licensing authority, for purchase of the required quantity of gold on his behalf. The applicant will deposit as earnest money an amount equivalent to 20% of notional price of gold, fixed by the State Bank of India, sought to be purchased. This amount by way of earnest money will be adjusted at the time of actual sale of gold by the State Bank of India against the Release Order issued by the licensing authority to the exporter. The State Bank of India will purchase gold within the next two business days and issue thereafter a certificate to the exporter, indicating the quantity of gold purchased and the price in dollars including its rupee equivalent at SBI's ruling TT selling rate of US \$ on the date of purchase of gold) at which purchased (this price shall be the actual price at which gold is purchased by the State Bank of India plus service charge permitted but exclusive of local taxes etc.) and simultaneously forward the duplicate and triplicate copies of the application along with a copy of the certificate to the concerned licensing authority and Customs House respectively".</p>	
	Para 17	<p>"The exporter shall without delay, after the exports have been made and without waiting for the realisation of the sale proceeds in foreign exchange, submit to the same licensing authority as that which endorsed the Shipping Bill, an application, in the prescribed form and manner, for the issue of a Release Order, and attach thereto the Customs attested invoice, the Customs authenticated Shipping Bill and the State Bank Certificate, in original. Along with the application for issue of a Release Order, the exporter should also furnish a declaration, duly signed by him, certifying that no realisation of foreign exchange against exports made under this scheme is outstanding beyond a period of two months from the date of shipment. The licensing authority will, after verifying the documents and that value addition in the transaction is not less than the prescribed minimum, issue a Release Order so as to enable the exporter to secure the replenishment of the pure gold content of the items exported as above, if the application is otherwise in order".</p>	
	Para 18	<p>"No Release Order issued under the Scheme shall be transferable. Delivery of gold by the Release Order holder must be taken from the SBI within 30 days from the date of shipment, failing which he will forfeit the earnest money of 20% deposited by him with the SBI. Failure to effect exports against an export order after having applied to the SBI for purchase of gold will entail similar forfeiture of the earnest money deposit apart from any other action that may be taken under the Imports (Control) Order, 1955. Short shipment against an export order will also entail proportionate forfeiture of the earnest money deposit in respect of the part of the export order short shipped, apart from any other action that may be taken under the Imports (Control) Order, 1955".</p>	

1	2	3	4
	Para 19		"The Release Order will be expressed in terms of gold of 0.999 fineness and for a quantity equivalent to the weight and purity of the gold content of the items passed for export as verified by the Customs authorities on the relevant shipping bill. The licensing authority will scrutinize, among other documents, the certificate issued by the State Bank of India regarding the price at which it purchased gold for the exporter and ensure that the prescribed minimum value addition is achieved by the exporter in the transaction".
	Para 23		"The said designated branch of the State Bank of India will sell gold to the Release Order holder at the price indicated in the certificate issued by it after purchase of gold by SBI on behalf of the exporter and will also recover interest on the rupee equivalent less the earnest money deposit at such rate and for such period as specified by the Government. Where gold of purity less than 0.999 is sold, the State Bank of India will be entitled to make necessary quantitative adjustment but within quantitative limit of the connected Release Order. It will sell gold in multiples of 10 grammes only. Any balance so left unserved against the Release Order presented by the same exporter, on the same date and to the same designated branch of State Bank of India shall be available to the Release Order holder along with his future entitlement. The State Bank of India will grant him a certificate to that effect."
2.	Annexure III to Appendix 22 Para 21(ii)		This sub-para shall be deleted.
3.	Annexure III to Appendix 22		The following may be added as para 19 : "Transitional Arrangement : Exports effected against the endorsement made on the shipping bills on or before 11-8-1985 shall continue to be governed by existing provisions of the Scheme for replenishment of gold"

R.L. MISRA, Chief Controller of Imports & Exports.